www.terapanthinfo.com

सेवा * संस्कार * संगठन

अर्हम्

शुभं भुयात् मंगलम् भुयात् कल्याणं भुयात्

पाथेय

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

पंजीकृत कार्यालय : 'युवालोक', पो.बॉ.नं.16, लाड़नूं–341306, जिला नागौर(राज.) फोन : 01581–222114

प्रशासकीय कार्यालय : 'अणुव्रत भवन', 210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, तीसरी मंजिल, नईदिल्ली–110002, फोन : 011–23210593, E-mail : abtyp1964@gmail.com

वर्ष – 3 अंक – 7/8 15.06.2010

PRESIDENT : GOUTHAMCHAND N.DAGA,
G.C.Daga & Co, Sri Balaji Complex, 14, Veerappan St., 2nd Flr.,
Sowcarpet, CHENNAI-79, Ph.(O) 044-25367422, (R) 25290715,
Cell : 09444407423 E-mail : cagcdaga@gmail.com

GENERAL SECRETARY : RAMESH JAIN-SUTARIA
Ramesh C.Jain & Co.Office.No. 20, 2nd Flr.,563 New Mill Rd.,
Kurla(W.), MUMBAI-400070 (MH) Tel.: 022-26521648, 26522058,
Cell : 09324221648, E-mail : rcjain.ca@gmail.com

सम्माननीय युवा साथियो,

सादर जय जिनेन्द्र!

9 मई 2010 को सरदारशहर में परमपूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का देवलोक गमन अन्तर्मन को आहत कर गया। हर श्रद्धालु स्तब्ध था। क्या हो गया ? कैसे, कब हो गया ? इन प्रश्नो के उत्तर मे एक गहरा मौन था। 1997 में गंगाशहर में पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी का महाप्रयाण व 9 मई 2010 को पूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के महाप्रयाण की गाथा लगभग एक सी है, जीते जी जो सामंजस्य था वैसा ही दोनों के जाने के तरीके मे था। कोई नहीं जानता मृत्यु कब होगी ? यह जागतिक नियम है, नहीं तो कम से कम ऐसे समर्थ दोनो आचार्य अपने अपने उत्तराधिकारी को तो संकेत अवश्य कराते। हम इन क्षणों को समता से सहें। पूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ के अवदानों को आगे बढायें व आचार्य श्री महाश्रमण के नेतृत्व में अपनी पूरी शक्ति धर्म संघ के हितार्थ समर्पित करें, यही युवा शक्ति की पूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ को सच्ची श्रद्धांजली होगी।

मई माह की 23 तारीख को तेरापंथ के इतिहास में एक और ऐतिहासिक क्षण आया जब संघ ने तेरापंथ के ग्यारहवें आचार्य, दशम अधिशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ के सक्षम उत्तराधिकारी, आचार्य श्री महाश्रमण को विधिवत् आचार्य पद ग्रहण करते देखा। 23 मई का प्रातः धर्म संघ में एक नया उल्लास लेकर आया जब महातपस्वी महाश्रमण ने इस धर्मसंघ की सर्वोच्च सत्ता को ग्रहण किया, वो उल्लास, वो विनम्रता, वो समर्पण के क्षण जीवन की अमूल्य धाती है। संपूर्ण युवा शक्ति की ओर से आचार्य प्रवर को अनंत शुभकामनाएं, मंगलकामनाएं कि आपके नेतृत्व में धर्मसंघ नई ऊचाईयों को प्राप्त करे। हम सभी संकल्प करे की हम आचार्य श्री महाश्रमणजी के नेतृत्व में उनके इंगित की आराधना करते हुए संघ के विकास में अपनी शक्ति नियोजित करेंगे।

साथियों, 1 जून से 30 जून का समय शाखा परिषदों में नेतृत्व परिवर्तन का है, इसी समय के अंतराल में सभी शाखा परिषदों को अपने नए नेतृत्व का मनाव / चुनाव करना है। यथा संभव नेतृत्व परिवर्तन मनाव से हो फिर भी अगर चुनाव अपेक्षित हो तो शालीनता के साथ हो। किसी भी स्थिति में शालीनता का उल्लंघन न हो।

सभी के प्रति मंगलकामना सहित

आपका

गौतमचंद एन. डागा

अध्यक्ष

www.terapanthinfo.com

दिशा निर्देश

1. शाखा परिषद् पाथेय का वाचन अपनी कार्यसमिति बैठक में अवश्य करें। इसमें दिए गए दिशा निर्देश (प्रत्येक माह) का पालन करने वालों को मूल्यांकन में विशेष अंक दिये जायेंगे।
2. स्थानीय शाखा परिषदें अपने क्षेत्र में कार्य करें। कोई भी शाखा परिषद् यदि कोई स्थाई प्रकल्प/कार्यक्रम करती है तो अ.भा.तेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति प्राप्त करें।
3. तेयुप प्रकाशन योजना के सदस्य ज्यादा से ज्यादा बनायें। इसका शुल्क 5100/– है। अधिक जानकारी हेतु प्रकाशन प्रभारी श्री नरेन्द्र नाहटा से मो 9246475046 पर सम्पर्क करें। सभी कार्यसमिति सदस्यों से आह्वान है कि प्रत्येक सदस्य तेयुप प्रकाशन सहयोगी के रूप में कम से कम 10 सदस्य अवश्य बनाएं।
4. शाखा परिषद् अपने बकाया शुल्क या अपने क्षेत्र के बकाया शुल्क एकत्रित कर अ.भा.तेयुप के खाते (OBC Ladnun-A/c.No. 10272010002800 or SBI Ladnun A/c.No.30313076278) में तुरन्त जमा करावें। वर्ष 2010-2011 की शाखा रजिस्ट्रेशन शुल्क अभातेयुप के खाते में तुरन्त जमा करायें। रसीद की प्रतिलिपि केन्द्रीय कार्यालय लाडनूं में भिजवाये। इसे अति आवश्यक समझे। सम्पर्क सूत्र–अ.भा.तेयुप कोषाध्यक्ष श्री सलील लोढ़ा–9820149302
5. केन्द्र द्वारा प्रेषित निर्देशों का समुचित रुप से पालन करें ताकि मूल्यांकन में आपके द्वारा कृत कार्यों का समावेश हो सके।
6. शाखा परिषदें अपने–अपने क्षेत्रों में विचरण करने वाले चारित्रात्माओं की रास्ते की सेवा का अनिवार्यतः ध्यान रखें।
7. प्रभारी अपने प्रभार की परिषदों से निरंतर सम्पर्क में रहकर उनके कार्यों में सहयोग एवं मार्गदर्शन करें। साथ ही शाखा परिषदें भी अपने प्रभारियों से सम्पर्क में रहें। पूर्व प्रेषित पाथेय में सभी परिषदों के प्रभारियों को जानकारी दी हुई है।
8. आपके क्षेत्र में किशोर मण्डल के गठन की संभावना पर पुरजोर प्रयास किया जाये। किशोर मण्डल को और अधिक सक्रिय बनाने का प्रयास करें। सभी शाखा परिषदें किशोर मण्डल के प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक एवं सदस्यों का नाम, पता, शैक्षणिक योग्यता, जन्मतिथि, हॉबी आदि जानकारी किशोर मण्डल के राष्ट्रीय प्रभारी श्री अनिल सांखला को anilsankhala@gmail.com पर ई–मेल करें। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र–श्री अनिल सांखला, मो.–9823095738। वर्ष 2010-2011 के लिए किशोर मण्डल नये संयोजक का चुनाव 15 जुलाई तक कर लेवे।
9. सभी शाखा परिषदें अपने सदस्यों की सूची पूर्व प्रेषित परिपत्र में भर कर संगठन मंत्री को प्रेषित करें–श्री अविनाश नाहर, वैभव कुंज, 51, केशव विहार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर–302018 (राज.), मो.–9829060328
10. शाखा परिषद् अपने कार्यक्रमों की जानकारी द्विमासिक रिपोर्ट के प्रारूप में ही भरकर भिजवायें न कि प्रत्येक कार्यक्रम की सूचना रिपोर्ट अलग से भिजवाये। रिपोर्ट अध्यक्ष, महामंत्री, पर्यवेक्षक, प्रभारी एवम् संगठन मंत्री के पास ही भेजे।
11. आपके परिवार में जब भी खुशी का मौका आए (जैसेः–जन्म, सगाई, विवाह, वर्षगांठ, सम्मान(किसी भी क्षेत्र में), शैक्षणिक सम्मान आदि) हमारा अनुरोध है कि ऐसे खुशी के सुअवसर पर अ.भा.तेयुप को अनुदान देवे। कम से कम 2100/- रुपये देने वाले का नाम तेरापंथ टाइम्स में प्रकाशित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए अध्यक्षीय/महामंत्री कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।
12. अ.भा.तेयुप का भवन लाड़नूं में जैन विश्वभारती के पास बन रहा है। सभी युवा साथियों एवं सम्पूर्ण तेरापंथ समाज से हम यह अपील करते है कि आप 31000/- रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान करें।
13. शाखा परिषदें अपने अपने क्षेत्रों में निम्न विषयों पर क्षैत्रीय कार्यशालाएं आयोजित कर सकती है। 1. व्यक्तित्व विकास कार्यशाला। 2. जैन संस्कार कार्यशाला। 3. किशोर मंडल सम्मेलन। 4. संगठनात्मक कार्यशाला।जो शाखाएं अपने क्षेत्र में आयोजित करना चाहे वे अपने शाखा प्रभारी के माध्यम से महामंत्री कार्यालय से सम्पर्क करें।
14. वर्ष 2010-11 की नये अध्यक्ष का चुनाव/मनाव शाखा परिषद् दिनांक 01-06-2010 से 30-06-2010 तक अवश्य करवा लेवें। अन्यथा वह शाखा स्वतः ही निलंबित हो जाएगी। सभी शाखा प्रभारी अपनी परिषदों से सम्पर्क कर इसके पालन का ध्यान रखावें।
15. सभी क्षेत्रों में किशोर मण्डल आंचलिक 'संगठन एवम् कैरीयर गाइडेन्स' कार्यशालाओं का आयोजन करना है। सभी रा.का.सदस्य गण, क्षेत्रीय सहयोगी सदस्य गण अपने प्रभार क्षेत्र से कार्यक्रम की योजना करके इसकी रूपरेखा बनाये। अधिक जानकारी हेतु अनिल सांखला से सम्पर्क करें। मो. –9823095738
16. प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम जुलाई माह में अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित करना है। उत्तीर्ण विद्यार्थियों की अंकतालिकाएं मंगा कर फिर प्रथम तीन छात्रों की वरीयता सूची बनाइ जाये। परिषदे् अपने क्षेत्र के कक्षा 10वी, 12वी, स्नातक एवं स्नात्तकोत्तर में उत्तीर्ण प्रथम तीन को सम्मानित करें।
17. आचार्य महाप्रज्ञ जन्म दिवस दि. 10-7-2010 पर बुद्धिजीवी वर्ग में 'सुखी परिवार व समृद्ध राष्ट्र'/"The Family and The Nation" पुस्तक का वितरण करना है। आपको कितनी पुस्तकें चाहिये इस हेतु संयोजक श्री इन्द्र बैंगानी- 9810352341 से संपर्क करें।
18. शाखा परिषद् निर्देशिका वर्ष 2010-2011 का प्रकाशन किया जा रहा है। वर्ष 2010-2011 की नयी टीम के अध्यक्ष व मंत्री को फोटो सहित विवरण दिनांक 15-7-10 तक अवश्य पहुँच जाये। सभी परिषदों से अनुरोध है कि आप अपनी परिषद् का पट्टी विज्ञापन अवश्य देवे। पट्टी विज्ञापन की दर 1100/- रखी गयी है। अपना फॉर्म व विज्ञापन शुल्क, विवरण निम्न पते पर भिजवाये।

Nilesh Baid (J.S.I.) c/o. Vijex Company, 669, Mount Road, Kamala Arcade, Chennai - 600006.Tel.: 28297302/9840053956

www.terapanthinfo.com

दिशा निर्देश

19. वर्ष 2009-10 (1 जुलाई 2009 से 30 जून 2010) तक का शाखा प्रतिवेदन फॉर्म भेजा जा रहा है । सभी शाखाएं अपना प्रतिवेदन भरकर अपने शाखा प्रभारी को 15-7-10 तक भेज देवे । शाखा प्रभारी उसे निरीक्षण करके दि 31-7-10 तक महामंत्री कार्यालय भेज देवे । सभी शाखायें अपना प्रतिवेदन शाखा प्रभारी के माध्यम से भेजे । सीधे महामंत्री कार्यालय न भेजे । जिन शाखाओं का प्रतिवेदन निश्चित समय पर शाखा प्रभारी एवम् मंहामंत्री कार्यालय पहुँचेगा उन परिषदों को ही मुल्यांकन के लिए सम्मिलित किया जायेगा । जिन शाखा प्रभारी की परिषदों के प्रतिवेदन समय पर पहुँचेंगे एवम् उनके अंतर्गत आने वाली सभी परिषदों के प्रतिवेदन समय पर आने पर उन सभी शाखा प्रभारियों को पुरस्कृत किया जायेगा । शाखा प्रभारी उनका रजिस्ट्रेशन शुल्क व बकाया शुल्क भी तुरन्त एकत्रित करके जमा करवाये । शाखा प्रभारी उनके अंतर्गत आने वाली शाखा का प्रतिवेदन प्राप्त होने की तारीख अवश्य लिखे एवम् पूर्ण अवलोकन कर महामंत्री को भिजवायें ।

20. कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला दि. 31 जुलाई व एक अगस्त को सरदारशहर में आचार्य श्री महाश्रमण के सानिध्य में रखी गई है । शाखा परिषद के नवगठित टीम के प्रथम आठ पदाधिकारियों में से चार प्रतिनिधि अवश्य भाग लेवे । प्रति व्यक्ति शुल्क 300/- रखा गया है । भाग लेने की अग्रिम सूचना एवम् अन्य जानकारी हेतु कार्यशाला संयोजक श्री प्रफुल्ल बेताला (सहमंत्री– ।।, अभातेयुप) फोन : 9337267213 से सम्पर्क करें । आवास स्थल – बडा बास, पंचायती भवन, सरदार शहर.

21. जैनविद्या कार्यशाला (2 अगस्त से 22 अगस्त तक) आचार्य प्रवर, साधु, साध्वियों, समण एवम् समणियों के सानिध्य में शाखा परिषद् के माध्यम से देश भर में रखी गयी है । सम्पक करें जैन विद्या प्रभारी श्री अशोक डागा – 9841069123 एवम् पर्यवेक्षक जैन विद्या कार्यशाला श्री निलेश बैद (सहमंत्री– । अभातेयुप – 9840053956)

22. मंत्रदीक्षा हेतु सामाग्री एवम् आचार्य महाप्रज्ञ जन्मदिवस साहित्य वितरण (बुद्धिजीवीवर्ग हेतु) पुस्तक हेतु संयोजक क्रमशः श्री के. एल.जैन – 9414148173 एवम् इन्द्र बैंगानी - 9810352341 से सम्पर्क करें ।

23. इस वर्ष तेरापंथ धर्मसंघ की स्थापना के 250 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है । इस उपलक्ष में तेरापंथ टाइम्स विशेषांक निकाला जा रहा है । इस हेतु अपनी रचना कोई देना चाहे तो दिल्ली कार्यालय भिजवाये । एवम् विज्ञापन हेतुं संयोजक श्री प्रदीप बोथरा – 9414091960 से सम्पर्क करें ।

जैन विद्या कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद व समण संस्कृति संकाय (जैन विश्व भारती, लाडनुं) के संयुक्त तत्वावद्यान में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दि. 2-8-10 से 22-8-2010 तक जैन विद्या कार्यशाला का आयोजन अपनी शाखा परिषद्ो के माध्यम से आचार्य प्रवर, साधु / साध्वियों, समण / समणियों के सानिध्य में आयोजित होगा । सभी शाखाओं से अनुरोध है कि इसकी पाठ्य पुस्तक आपको कितनी चाहिये, इसकी लिखित व फोन द्वारा सूचना निम्नाकिंत व्यक्तियों को 30-6-10 तक अवश्य भिजवा देवे । साथ ही कुरियर / ट्रान्सपॉर्ट या पोस्ट पार्सल किस से भेजनी है – इसकी जानकारी अवश्य देवे । किस पते पर भेजनी है वह भी लिखे । समय पर प्राप्त जानकारी के आधार पर ही पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवा सकेंगे । इसकी परीक्षा 22-8-10 को पूरे भारत वर्ष में दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आयोजित होगी । अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें ।

अशोक डागा	**निलेश बैद**
जैन विद्या प्रभारी	सहमंत्री – I (जैन विद्या कार्यशाला –पर्यवेक्षक)
9841069123	9840053956

संगठन और आप

1. अध्यक्ष का चुनाव सदन में बहुमत से किया जायेगा ।
2. अध्यक्ष पद पर एक युवक लगातार दो कार्यकाल से ज्यादा नही रहेगा ।
3. अध्यक्षीय कार्यकाल एक वर्ष की अवधि के लिए होगा ।
4. यदि किसी कारण से अध्यक्ष पद रिक्त होता है तो नया निर्वाचन साधारण सदन में होगा, तब तक उपाध्यक्ष (प्रथम) अध्यक्ष का कार्यभार संभालेगा । यह विशेष साधारण सदन दो महीने के भीतर बुलाना अनिवार्य है ।
5. चुनाव अधिकारी की नियुक्ति कार्य समिति द्वारा चुनाव से पहले होगी, चुनाव अधिकारी का तेरापंथी होना अनिवार्य है ।
6. अध्यक्ष पद हेतु एक सदस्य एक ही व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव या अनुमोदन कर सकता है ।
7. साधारण सदन में अनुपस्थित प्रत्याशी का नामांकन रद्द समझा जायेगा - पर सर्वसम्मत नाम आने पर प्रत्याशी की उपस्थिति आवश्यक नहीं है ।
8. अध्यक्ष पद का उम्मीदवार चुनाव प्रारम्भ होने से एक दिन पूर्व सायं 5 बजे तक अपना नाम वापस ले सकता है ।
9. अध्यक्ष के लिये मतदान आवश्यक हो तो गुप्त मतदान प्रणाली से मतदान कराया जायेगा ।
10. विशेष स्थिति में चुनाव अधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार निर्णय देगा, वह अंतिम व सर्वमान्य होगा ।

जीवन विज्ञान प्रशिक्षण

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद व जीवन विज्ञान अकादमी के संयुक्त तत्वावद्यान में सरदार शहर में दि. 9-8-10 से 13-8-2010 तक प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया है । सभी शाखाओं से अनुरोध है कि इसमें आपकी परिषद के कार्यकर्ताओं का भी प्रशिक्षण प्राप्त हो इस हेतुं आप इस कार्यशाला में संभागी बने । अधिक जानकारी हेतु **महामंत्री कार्यालय** से सम्पर्क करें ।

www.terapanthinfo.com

जुन 2010–तत्त्वज्ञान/प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा **तत्वज्ञान प्रतियोगिता** की श्रृंखला का छठवा प्रश्न पत्र यहां दिया गया है ।

1. यक्ष के मन्दिर में भगवान महावीर ने कितने स्वप्न देखे ?
2. सात स्वप्न किसकी माता देखती है ।
3. संसार में भव्य जीव अधिक हैं या अभव्य जीव ?
4. त्रीन्द्रिय किसे केहते है तथा इसमें कौन - कौनसे जीव आते है ।
5. आगम कितने हैं ?
6. पैर का काँटा निकालते कर्मों का काँटा किसने निकाला ?
7. झमकूजी को साध्वी प्रमुखा पद किसने दिया ?
8. खमत - खामणा का क्या अर्थ है ?
9. 24 तीर्थंकरों को प्रथम भिक्षा में क्या प्राप्त हुआ ?
10. मोक्ष की प्राप्ति किस शरीर से होती है ?
11. कल्याण मंदिर स्तोत्र की रचना किसने की ?
12. 24 तीर्थंकरों में ऐसे कौनसे तीर्थंकर थे जो अकेले प्रव्रजित हुए ?
13. आचार्य तुलसी ने अणुव्रत प्रचार के लिए कितने कि.मी. की पदयात्रा की ?
14. अर्ध रात्रि में कौनसे मुनि किनके द्वारा दीक्षित हुए ?
15. कलिकाल सर्वज्ञ के नाम से कौन प्रसिद्ध थे ?
16. संत गुणमाला की रचना किसने और किस उम्र में की ?
17. कितने आचार्य चतुर्दशपूर्वी हुए ? उनके नाम बताओ !
18. मनुष्य का वास कहाँ तक है ?
19. पानी की एक बूंद में कितने जीव होते हैं ?
20. कौनसे देवलोक तक के देव धरती पर आ सकते है ?

प्रतियोगिता में कोई भी भाई–बहिन भाग ले सकते हैं। निर्णायक का निर्णय अंतिम व मान्य होगा। प्रतियोगी अपने उत्तर पूर्ण विवरण (नाम, पता, फोन नम्बर यथासंभव मोबाईल नं.) के साथ दिनांक 15 जूलाई 2010 तक निम्न पते पर भेजें। फुल साईज पेपर पर शुद्ध एवं स्वच्छ लिखें।

SMT. NIRMALA SUTARIA Flat No.-2, Pankaj CHS Ltd., Vakola Bridge, Santacruz(E.), MUMBAI-400055, Ph.022-26686365

अप्रैल 2010, तत्त्वज्ञान/प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के उत्तर

1. दूसरे पद में ।
2. किसी भी गुणस्थान में जीव मोक्ष में नहीं जाता ।
3. द्विन्द्रिय, त्रिन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय ।
4. केशी कुमार श्रमण ने ।
5. जयाचार्य ने ।
6. तीर्थंकर आपस में मिलते ही नहीं है ।
7. तीन आचार्यों को - भिक्षु स्वामी, डालगणि, कालूगणि ।
8. देवता व नारक ।
9. मनुष्य।
10. पुद्गलास्तिकाय ।
11. पहले, दूसरे, तीसरे, पांचवे एवं ग्यारहवें गुणस्थानों का ।
12. साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी ।
13. स्वस्तिक, श्रीवत्स, नन्दावर्त, वर्धमानक, भद्रासन, कलश, मत्स्य औरदर्पण।
14. 21,000 वर्षों तक ।
15. आचार्य श्री कालू ।
16. 12वें तीर्थंकर वासुपूज्य प्रभु के (चम्पानगरी में)
17. जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कलकत्ता (वर्तमान में नाम है.... जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा)
18. साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभा जी ।
19. 5 मई 1974 (वि. सं. 2031 वैशाख शुक्ला चतुर्दशी), सरदारशहर में मुनि श्री सुमेर मल जी लाडनूं ने ।
20. 1967 में अहमदाबाद में आचार्य श्री तुलसी द्वारा ।

अप्रैल 2010 का परिणाम

सर्वप्रथम सभी संभागियों को बहुत–बहुत साधुवाद जिन्होंने पूरी लगन के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी जागरूकता का परिचय दिया।

तत्त्वज्ञान / प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता– अप्रैल 2010 का परिणाम

प्रथम - प्रियंका पुगलिया- श्री डूंगरगढ़ **द्वितीय - जयश्री भंसाली - जसोल** **तृतीय - मनीषा बोथरा- ईस्लामपुर**

शाखा परिषदों के लिए कुछ आगामी करणीय कार्य

कार्यक्रम का नाम	दिनांक	संयोजक
आचार्य महाप्रज्ञ जन्म दिवस–साहित्य वितरण(बुद्धिजीवी वर्ग) ('सुखी परिवार व समृद्ध राष्ट्र' / "The Family and The Nation")	10 जुलाई,	श्री इन्द्र बैंगाणी
मंत्र दीक्षा	25 जुलाई, रविवार	श्री के. एल. जैन
कार्यकारिणी बैठक (पूज्यप्रवर के सान्निध्य में–सरदारशहर में)	30 जुलाई	श्री प्रफुल्ल बेताला
कार्यकर्ता–प्रशिक्षण कार्यशाला(पूज्यप्रवर के सान्निध्य में सरदारशहर में)	31 जुलाई–1 अगस्त,	श्री प्रफुल्ल बेताला
प्रतिभा सम्मान (कक्षा 10 वीं, 12 वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर)	जुलाई माह में	
जैन विद्या कार्यशाला	2 से 22 अगस्त तक	श्री अशोक डागा
जीवन विज्ञान प्रशिक्षक प्रशिक्षण (पूज्यप्रवर के सान्निध्य में–सरदारशहर में)	9 अगस्त से 13 अगस्त	
बारह व्रत कार्यशाला	8 अगस्त, रविवार	श्री हनुमान जैन
जैन विश्वभारती वि.वि. कार्यशाला	15 अगस्त, रविवार	श्री रमेश पटावरी
अभिनव सामायिक	22 अगस्त, रविवार	श्री राजेन्द्र मुणोत
प्रकाशन ग्राहक अभियान	5–12 सितम्बर, रविवार से रविवार	श्री महावीर कोठारी
राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान	2 अक्टूबर	श्री निर्मल गोखरू
किशोर मंडल अधिवेशन	20,21,22 अक्टूबर	श्री अनिल सांखला
वार्षिक अधिवेशन	23,24,25 अक्टूबर, शनिवार से सोमवार	श्री निलेश बैद

परिषदों द्वारा अन्य करणीय कार्यों के बारे में आपको समय–समय पर सूचित किया जायेगा।

www.terapanthinfo.com

शाखा प्रतिवेदन – 2009-2010

तेरापंथ युवक परिषद, ...

पता : .....

.....

फोन नं ..... ई-मेल .....

दि. 1 जुलाई 2009 से 30 जुन 2010 तक

अध्यक्ष फोटो 2009-2010

अध्यक्ष का नाम (2009-10) : .....

जन्मतिथि ..... ब्लड ग्रुप .....

पता : .....

..... पिन कोड.....

फोन (एस.टी.डी. कोड)..... कार्यालय ..... निवास.....

ई-मेल..... मोबाईल.....

मंत्री फोटो 2009-2010

मंत्री का नाम (2009-10) : .....

जन्मतिथि ..... ब्लड ग्रुप .....

पता : .....

..... पिन कोड.....

फोन (एस.टी.डी. कोड)..... कार्यालय ..... निवास.....

ई-मेल..... मोबाईल.....

पत्र व्यवहार का पता : .....

..... पिन कोड.....

केन्द्रीय पर्यवेक्षक का नाम :.....

शाखा प्रभारी का नाम :.....

सदस्य संख्या (31-3-10 तक) वार्षिक..... आजीवन.....कुल.....

आपके क्षेत्र में आलोच्य अवधि के दौरान चारित्रात्माओं का चातुर्मास प्रवास हुआ - हाँ / नहीं

अगर हाँ तब अग्रगण्य का नाम : .....

॥ चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ॥

www.terapanthinfo.com

सेवा

1. युवा दिवस पर केन्द्र द्वारा निर्देशित सेवा का कार्यक्रम

	कार्यक्रम	दिनांक	स्थान	संख्या	कुल व्यय
1.	रक्तदान	.....	.....	.....	.....
2.	रक्त वर्गीकरण	.....	.....	.....	.....

2. संघीय कार्यक्रम में सहभागिता

	कार्यक्रम	सान्निध्य	दिनांक
1.	.....	.....	.....
2.	.....	.....	.....
3.	.....	.....	.....
4.	.....	.....	.....

3. केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्देशित जनहित प्रवृत्ति

	कार्यक्रम	दिनांक	स्थान	लाभार्थी	कुल व्यय
1.	पर्यावरण दिवस	.....	.....	.....	.....
2.	नेत्र जांच शिविर	.....	.....	.....	.....
3.	.....	.....	.....	.....	.....

4. स्थाई प्रवृत्ति

	प्रवृत्ति	लाभार्थी	कुल व्यय
1.	.....	.....	.....
2.	.....	.....	.....
3.	.....	.....	.....

5. चारित्रात्माओं की यात्रा में उपासना

		सिंघाडे का नाम	संभागी तेयुप सदस्य संख्या	सेवा दिनों की संख्या
1.	पूज्यवरो की	.....	.....	.....
2	अग्रगण्य साधु/साध्वी की	.....	.....	.....
3.	समण/समणी की	.....	.....	.....

www.terapanthinfo.com

संस्कार

1. मंत्र दीक्षा (जुलाई 2009) **सान्निध्य.....**

दिनांक..... कुल संभागी..... व्यय.....

2. जैन संस्कार विधि द्वारा आयोजित कार्यक्रम

	नाम	दिनांक	संस्कारक का नाम
नामकरण संस्कार	.....	.....	.....
विवाह	.....	.....	.....
गृह प्रवेश	.....	.....	.....
दीपावली पूजन	.....	.....	.....

3. ज्ञानशाला

संचालक संस्था..... कुल ज्ञानार्थी..... दैनिक / साप्ताहिक / पाक्षिक / मासिक

4. शिविरों का आयोजन (शाखा परिषद् द्वारा)

	दिनांक	सान्निध्य	शिविर का नाम	संभागी संख्या
बालकों के लिए	.....	.....	.....	.....
किशोरों के लिए	.....	.....	.....	.....
युवकों के लिए	.....	.....	.....	.....

5. जैन विद्या कार्यशाला का आयोजन (शाखा परिषद् द्वारा - केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्देशित)

दिनांक	सान्निध्य	कार्यशाला सहभागिता संख्या	परिक्षार्थी
.....	.....	.....	.....

6. जैन जीवनशैली कार्यक्रम

दिनांक	सान्निध्य	सहभागिता संख्या
.....	.....	.....

7. अभिनव सामायिक कार्यक्रम

दिनांक	सान्निध्य	सहभागिता संख्या
.....	.....	.....

8. संस्कार हेतु प्रतियोगिता

बालकों / किशोरों / युवकों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन (शाखा परिषद् द्वारा)

	प्रतियोगिता	सान्निध्य	दिनांक	संभागी संख्या	व्यय
1.	.....	.....	.....	.....	.....
2.	.....	.....	.....	.....	.....
3.	.....	.....	.....	.....	.....

9. तेयुप प्रकाशन में आयोजित प्रतियोगिताओं में सहभागिता

	पत्रिका अंक	संख्या	विजेता
1. तेरापंथ टाइम्स	.....	.....	.....
2. युवादृष्टि	.....	.....	.....
3. पाथेय	.....	.....	.....

www.terapanthinfo.com

संगठन

1. शाखा परिषद् का वर्ष 2009 में आयोजित वार्षिक साधारण सदन दिनांक ..... उपस्थिति.....

2. शाखा परिषद् का जून 2010 मे आयोजित चुनाव / मनाव की दिनांक ..... उपस्थिति

3. वर्ष 2009-2010 में आयोजित कुल कार्यसमिति बैठक संख्या ..... औसत उपस्थिति.....

4. वर्ष 2009-2010 का केन्द्रीय परिषद् का पंजीकरण शुल्क विवरण दिनांक..... रसीद नं.....

5. रजिस्टर / दस्तावेजों का विवरण

   उपस्थिति रजिस्टर / कार्यवाही रजिस्टर / सूचना रजिस्टर / पाथेय फाइल / आय-व्यय रजिस्टर / सदस्य सूची रजिस्टर / केन्द्रीय पत्र व्यवहार फाइल / कार्यक्रमों की रिपार्ट फाइल (जो दस्तावेज शाखा के पास उपलब्ध है निशान (✓) लगाये)

6. परिषद् कृत कार्यो की रिपोर्ट अध्यक्ष / महामंत्री / संगठन मंत्री / पर्यवेक्षक / शाखा प्रभारी को दो माह के अंतराल से नियमित रूप से भेजी ।

   हॉ / नहीं.....

   यदि हाँ तो रिपार्ट भेजने की तारीख .....

7. तेयुप द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रमों में केन्द्रीय शाखा प्रभारी को आमंत्रित किया है । हाँ / नहीं .....

   यदि हाँ तो उन कार्यक्रमों की सूची ....

   ....

8. अ) अर्धवार्षिक अधिवेशन लाडनुं (19-07-2009) में सहभागिता विवरण

   कल सदस्य सहभागिता .....

   सदस्यों के नाम ....

   ....

   ....

   ब) लाडनुं वार्षिक अधिवेशन (24, 25, 26 October 2009) में सहभागिता विवरण

   कल सदस्य सहभागिता .....

   सदस्यों के नाम ....

   ....

   ....

9. तेरापंथ किशोर मंडल संयोजक का नाम व पता (1-7-2009 से 30-6-2010).....

   .....

   .....

   कुल बैठक

   .....

   आयोजित कार्यक्रम .....

   कुल खर्च .....

10. केन्द्रीय परिपत्र / पाथेय का कार्य समिति बैठक में नियमित वाचन किया । हाँ / नहीं

    यदि हाँ तो उन बैठको की संख्या .....

www.terapanthinfo.com

प्रकाशन

1. **आलोच्य अवधि में बनाए गए अब कुल सदस्य (1-7-2009 से 30-6-2010)**

तेरापंथ टाइम्स : वार्षिक ..... त्रैवार्षिक ..... आजीवन .....

युवादृष्टि : वार्षिक ..... त्रैवार्षिक ..... आजीवन .....

तेयुप प्रकाशन सहयोगी .....

2. **विज्ञापन (1-7-2009 से 30-6-2010)**

तेरापंथ टाइम्स .....

युवादृष्टि .....

अन्य विज्ञापन .....

कुल राशि .....

अन्य प्रवृत्ति

(1-7-2009 से 30-6-2010 तक)

1. क्या कार्यकारिणी के सभी सदस्य व्यसन मुक्त है ? हाँ / नहीं .....
2. क्या आपकी शाखा परिषद् के सभी सदस्य व्यसन मुक्त है ? हाँ / नहीं .....
3. आलोच्य अवधि में जैन विश्व भारती संस्थान से स्नातक / स्नातकोत्तर उत्तीर्ण होने वाले तेयुप सदस्यों / किशोरों की संख्या कितनी है ? (सूची संलग्न करें)
4. अलोच्य अवधि में समण संस्कृति संकाय से जैन विद्या रत्न एवं विज्ञ की परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले तेयुप सदस्यों / किशारों की संख्या कितनी है । (सूची संलग्न करें)
5. आलोच्य अवधि में उपासक / जैन संस्कारक / ज्ञानशाला प्रशिक्षक बनने वाले तेयुप सदस्यों की संख्या (नाम सहित सूची संलग्न करें)
6. सेवा के क्षेत्र में शाखा परिषद् एक से अधिक प्रवृत्ति कर रही है तो उसका विवरण (सूची संलग्न करें) ।

   प्रवृत्ति का नाम..... कुल खर्च.....

   लाभार्थी की संख्या .....
7. संघीय कार्यक्रमों में शाखा परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

   संघीय कार्यक्रम का नाम..... कुल खर्च.....

   सान्निध्य .....
8. शाखा परिषद् द्वारा जनहित की अन्य प्रवृत्ति आलोच्य अवधि में की गई उसका विवरण

   प्रवृत्ति का नाम..... लाभार्थी .....
9. ज्ञानशाला अगर शाखा परिषद् द्वारा चलाई जा रही है तो उसका विवरण

   ज्ञानशाला की लाभार्थी संख्या..... कुल खर्च.....

   ज्ञानशाला का प्रकार (दिवस / कितने जगह चल रही है)
10. केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्देशित कार्यशाला, क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया है तो उसका विवरण

    कार्यशाला / क्षेत्रीय अधिवेशन / सान्निध्य / संभागी का नाम ..... कुल व्यय
11. केन्द्रीय परिषद् द्वारा आयोजित अर्धवार्षिक अधिवेशन / किशोर मंडल अधिवेशन में सहभागिता संख्या व उसका विवरण

    अधिवेशन का नाम..... संभागियों का नाम.....

    ....

www.terapanthinfo.com

12. शाखा परिषद् का चुनाव / मनाव .....

13. पाथेय में आयोजित प्रतियोगिता विजेताओं की सूची संलग्न करें .....

]14. प्राकृतिक विपदा में किये गये विशेष कार्यो का विवरण .....

15. कोई ऐसी स्थायी प्रवृत्ति जैसे धम्म जागरण / भजन मंडली / जीवन विज्ञान / प्रेक्षाध्यान हेतु कार्यक्रमों का विवरण .....

16. शाखा परिषद् द्वारा केन्द्रीय संघगान कार्यक्रम आयोजित किया तो उसका विवरण .....

17. उपासक क्षेत्र में कार्य .....

18. व्यक्तित्व विकास क्षेत्र में कार्य .....

19. विश्व विद्यालय क्षेत्र में कार्य .....

अध्यक्ष (2009-10)	दिनांक	मंत्री (2009-10)
हस्ताक्षर		हस्ताक्षर

1. प्राप्त जानकारी के अनुसार ते.यु. प....., ने उपरोक्त प्रतिवेदन मे सही जानकारी दी है । शाखा प्रभारी दायित्व के साथ मै इसे सत्यापित करता हुं
2. समीक्षा.....
.....
३.शाखा प्रभारी मुल्यांकन प्राप्त अंक (अधिकतम ३० अंक).....

शाखा प्रभारी को प्रतिवेदन प्राप्त होने की तारीख	शाखा प्रभारी हस्ताक्षर	शाखा प्रभारी द्वारा भेजने की तारीख

महामंत्री कार्यालय मे प्राप्त हाने की तारीख .....

NOTE :

1. शाखा परिषदें अपना प्रतिवेदन पूर्ण भरकर अपने प्रभारी को ही भेजें ।
2. प्रभारी प्रतिवेदन का अवलोकन कर अपनी समीक्षा के साथ महामंत्री कार्यालय को भेजे । उस प्रतिवेदन पर प्राप्त होने की तारीख अवश्य डालें ।
3. प्रतिवेदन शाखा प्रभारी तक पहुंचने की अंतिम तिथी - 15-7-2010.
4. प्रतिवेदन महामंत्री कार्यालय पहुंचने की अंतिम तिथी - 31-7-2010.
5. शाखा प्रभारी एवं महामंत्री कार्यालय मे समयपर पहुंचे हुए प्रतिवेदन ही मुल्यांकन के लिए समावेशित किये जायेंगे ।

महामंत्री कार्यालय

RAMESH C. JAIN & CO.
Chartered Accountants
Office No. 20, 2nd Floor, 563 New Mill Road,
Kurla (West), Mumbai - 400 070 (Maharashtra).
Tel. : 022-26521648, 26522058 Cell : 09324221648 e-mail : rcjain.ca@gmail.com

।। चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ।।

www.terapanthinfo.com

शाखा परिषदों के लिए मूल्यांकन विधि

सेवा

1. आचार्य प्रवर के दीक्षा दिवस के शुभ अवसर पर केन्द्र द्वारा निर्देशित सामाजिक सेवा का उपक्रम आयोजित करना ।
2. संघीय कार्यक्रमों में कम से कम दो में सहभागिता (प्रज्ञा दिवस, मर्यादा महोत्सव, महावीर जयन्ती, चरमोत्सव, पट्टोत्सव, विकास महोत्सव, महाप्रयाण दिवस, तेरापंथ स्थापना दिवस, अक्षय तृतीया)
3. वर्ष भर में कम से कम दो बार जनहित प्रवृत्ति आयोजित करना (केन्द्र द्वारा निर्देशित पर्यावरण दिवस, आचार्य प्रवर के जन्मदिवस पर पुस्तक का वितरण)
4. स्थानीय स्तर पर सेवा के क्षेत्र में कम से कम एक स्थायी प्रवृत्ति का संचालन करना जैसे पुस्तकालय, वाचनालय, अस्पताल, स्कूल, सधार्मिक बन्धुओं की सेवा, जैन विश्व भारती संस्था का परीक्षा केन्द्र, समण संस्कृति संस्कार परीक्षा केन्द्र, संघीय साहित्य विक्री केन्द्र इत्यादि (एक से अधिक प्रवृत्ति पर बोनस अंक दिया जाएगा)
5. परिषद् के किन्ही तीन सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्र के आसपास विचरण कर रहे चारित्रात्माओं की रास्ते की सेवा का लाभ लेना अथवा पूज्यवरों के विहार के समय उपासना का लाभ लेना (कम से कम तीन दिन)

(उपरोक्त 5 प्रवृत्तियों में कम से कम ३ प्रवृत्तियां शाखा परिषद् द्वारा संपादित करने पर ही मूल्यांकन के लिए उपयुक्त माना जाएगा ।

संस्कार

1. तेरापंथ स्थापना दिवस पर मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम आयोजित करना ।
2. जैन संस्कार विधि को प्रसारित करने हेतु वर्ष में कम से कम एक कार्यक्रम आयोजित करना (कार्यक्रम का प्रमाण संलग्न करें)
3. यदि कोई और संस्था ज्ञानशाला आयोजित कर रही हो तो उसे सक्रिय सहयोग प्रदान करना अथवा स्वयं कम से कम साप्ताहिक ज्ञानशाला का संचालन करना ।
4. बालकों में सद् संस्कार तथा तत्त्व ज्ञान की जानकारी हेतु वर्ष में कम से कम एक दिवसीय शिविर (चातुर्मासिक क्षेत्र में दो) का आयोजन करना ।
5. युवकों में तत्त्व ज्ञान तथा संघीय जानकारी के लिए वर्ष में कम से कम एक दिवसीय शिविर (चातुर्मासिक क्षेत्र में दो) का आयोजन करना ।
6. किशोर मण्डल के सदस्यों के लिए वर्ष में कम से कम एक दिवसीय शिविर (चातुर्मासिक क्षेत्र में दो) का आयोजन करना ।
7. वर्ष भर में कम से कम एक बार जैन विद्या कार्यशालाओं का एक सप्ताह (चातुर्मासिक क्षेत्र में पन्द्रह दिवस) का आयोजन करना ।
8. बारह व्रत कार्यशाला प्रचार हेतु कार्यक्रम आयोजित करना ।
9. अभिनव सामायिक कार्यक्रम आयोजित करना ।
10. बालकों / किशोरों / युवकों के लिए कम से कम दो (चतुर्मासिक क्षेत्र में चार) प्रतियोगिताएं आयोजित करना (जैसे निबन्ध, तत्त्वज्ञान, भाषण, सामान्य ज्ञान, संगीत, कंठस्थ, वाद–विवाद, क्वीज आदि)
11. तेयुप प्रकाशन (तेरापंथ टाइम्स / युवादृष्टि / पाथेय) में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेना (वर्ष में कम से कम एक बार)

(उपरोक्त 11 प्रवृत्तियों में से कम से कम 7 प्रवृत्तियाँ संपादित करने पर ही शाखा परिषद् को मूल्यांकन के लिए उपयुक्त माना जाएगा ।)

संगठन

1. वार्षिक अधिवेशन को समयानुसार आयोजित करना .
2. अध्यक्ष पद हेतु चुनाव / मनाव संविधान में उल्लेखित समयावधि में होना आवश्यक है, अतः उसकी संपूर्ति (1 जून से 30 जून तक) करना ।
3. कार्यसमिति की बैठक कम से कम दो माह में एक बार आयोजित करना ।
4. वर्ष 2009-2010 का केन्द्रीय पंजीकरण शुल्क 31 मार्च 2010 तक आवश्यक रूप से जमा करना ।
5. तेयुप कार्यालय संबंधित सभी रिकार्ड व्यवस्थित रखना तथा आवश्यकतानुसार उन्हें केन्द्रीय प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत करना ।
6. कृत कार्यों की व्यवस्थित रिपार्ट अध्यक्ष / महामंत्री तथा संबंधित शाखा प्रभारी को दो माह में एक बार अनिवार्य रूप से भेजना ।
7. स्थानीय स्तर पर तेयुप द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रमों में केन्द्रीय शाखा प्रभारी को आमंत्रित करना ।
8. अभातेयुप के वार्षिक अधिवेशन में कम से कम 2 प्रतिनिधियों की सहभागिता होना ।
9. संभावित क्षेत्र में तेरापंथ किशोर मण्डल का गठन करना । इनकी वर्ष भर में कम से कम दो बैठकें आयोजित करना (चातुर्मासिक क्षेत्र में तीन) ।
10. केन्द्रीय परिपत्र / पाथेय का कार्यसमिति बैठक में नियमित वाचन करना ।

(उपरोक्त 10 प्रवृत्तियों में शाखा मूल्यांकन हेतु प्रत्येक शाखा परिषद् को प्रथम 3 प्रवृत्तियाँ अनिवार्य एवं 7 में कम से कम 3 प्रवृत्तियाँ संपादित करना अनिवाय है ।)

www.terapanthinfo.com

शाखा परिषदों की मूल्यांकन विधि

1. शाखाओं का वर्गीकरण – 1 से 100 सदस्य संख्या, 101 से 300 सदस्य, 301 से 500, 500 से अधिक सदस्य ।
2. प्रत्येक शाखा को मूल्यांकन हेतु चुनने के लिए सेवा संस्कार एवं संगठन उद्देश्य में न्यूनतम प्रवृत्ति करने की अनिवार्यता ।
3. केन्द्र द्वारा निर्दिष्ट प्रत्येक प्रवृत्ति के लिए 20 अंक । इस प्रकार सेवा में 60 अंक (5 में से 3 प्रवृत्तियाँ संपादित करने पर), संस्कार में 140 अंक (11 में से 7 प्रवृत्तियाँ संपादित करने पर), संगठन में 120 अंक (10 में से 6 प्रवृत्तियाँ संपादित करने पर)
4. प्रत्येक शाखा को सेवा में 60 अंक, संस्कार में 140 अंक एवं संगठन में 120 अंक । कुल 320 अंक मिलने पर ही शाखा मूल्यांकन के लिए प्रवेश दिया जाएगा ।

   निम्नलिखित प्रवृत्ति करने पर शाखाओं को बानस अंक प्रदान किए जाएंगे :–
5. सेवा आयाम के पाँचों ही कार्य करने पर प्रत्येक कार्य के लिए 20 अंक अर्थात् पाँचों कार्यों के लिए 100 अंक तथा बोनस स्वरूप 40 अंक= कुल 140 अंक।
6. संस्कार आयाम के कुल 220 अंक+40 बोनस अंक= कुल 260 अंक ।
7. संगठन आयाम के कुल 200 अंक + 40 बोनस अंक= कुल 240 अंक ।
8. सेवा, संस्कार एवं संगठन की सभी प्रवृत्तियों को संपादित करने पर 100 बोनस अंक ।
9. चुनाव में मनाव की प्रक्रिया अपनाने पर 20 बोनस अंक ।
10. बाल प्रशिक्षण शिविर, युवा संगोष्ठियाँ, युवा प्रशिक्षण शिविर, किशोर मण्डल शिविर न्यूनतम से अधिक करने पर प्रत्येक शिविर के लिए 20 बोनस अंक।
11. संपूर्ण कार्यकारिणी के सदस्य व्यसन मुक्त प्रमाणित करने पर 10 बोनस अंक ।
12. संपूर्ण शाखा परिषद् के सदस्य व्यसन मुक्त प्रमाणित करने पर 10 बोनस अंक ।
13. जैन विश्व भारती संस्थान से स्नातक अथवा स्नातकोतर डिग्री प्राप्त करने वाले प्रत्येक कार्यसमिति सदस्य हेतु 10 बोनस अंक ।
14. शाखा परिषद के प्रत्येक सदस्य जैन विद्या रत्न / विज्ञ परीक्षा में उत्तीर्ण हो तो प्रत्येक सदस्य हेतु 10 बोनस अंक ।
15. आलोच्य वर्ष में उपासक, जैन संस्कारक, ज्ञानशाला प्रशिक्षक बनने वाले प्रत्येक तेयुप सदस्य के लिए 20 बोनस अंक ।
16. युवादृष्टि तथा तेरापंथ टाइम्स में 10000 रूपये की राशि के विज्ञापन भेजने पर १० बोनस अंक तथा इससे ऊपर की प्रत्येक 10000 रुपये की राशि के विज्ञापन भेजने पर 5 अतिरिक्त अंक । (अधिकतम कुल बोनस 50 अंक)
17. अ.भा.ते.यु.प. के तत्वावधान में केन्द्रीय प्रशिक्षकों के निर्देशन में कार्यशाला आयोजित करने पर 50 अंक
18. अ.भा.ते.यु.प. के तत्वावधान में शाखा परिषदों द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला प्रान्तीय, आंचलिक, केन्द्रीय सम्मेलन आदि आयोजित करने पर प्रत्येक उपक्रम के 50 अंक ।
19. पाथेय में आयोजित प्रतियोगिता में तेयुप सदस्य द्वारा सहभागिता होने पर (प्रति माह)–5 अंक । अधिकतम–20 बोनस अंक ।
20. ते.यु.प. प्रकाशन सहयोगी सदस्य बनाने पर प्रत्येक सहयोगी सदस्य हेतु 10 बोनस अंक । (अधिकतम कुल बोनस 50 अंक)
21. अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं शाखा प्रभारी के व्यक्तिगत मूल्यांकन के क्रमशः 100, 50, 40, 30, 30–कुल 250 अंक होंगे ।
22. अगर किसी शाखा परिषद् का कोई भी बकाया शुल्क नहीं होगा तो उस परिषद् को २० बोनस अंक ।
23. अन्य प्रवृत्तियों में क्रमांक 6/7/8/9/14/15 में कार्य किया है तो प्रत्येक कार्य हेतु 20 बोनस अंक दिए जाएंगे ।
24. महामंत्री कार्यालय में प्रतिवेदन पहुँचने की अंतिम तिथि तक समय पर पहुँचने वाले प्रतिवेदन को 30 बोनस अंक ।
25. सभी कार्यों को संपन्न करने वाली परिषद् को विशेष 50 बोनस अंक ।
26. अ.भा.ते.यु.प. को 10000 रुपये की राशि से सहयोग करने पर 10 बोनस अंक तथा इससे ऊपर की प्रत्येक 10000 रुपये की राशि से सहयोग करने पर 10 बोनस अंक (अधिकतम कुल बोनस 50 अंक)

।। चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ।।

www.terapanthinfo.com